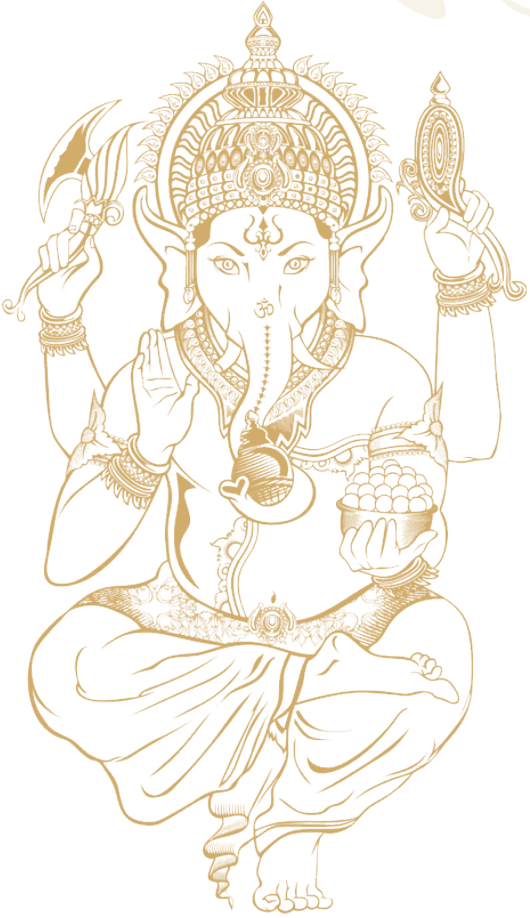

Mr.Ram

08 Feb 2002

03:27 AM

New Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119884708

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
7-08/02/2002	जन्म तिथि	**7-08/02/2025**
गुरु-शुक्रवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 03:27:00	जन्म समय	00:56:41 घंटे
घटी 50:52:19	जन्म समय(घटी)	44:37:16 घटी
India	देश	India
New Delhi	स्थान	New Delhi
उत्तर 28:36:00	अक्षांश	28:36:00 उत्तर
पूर्व 77:12:00	रेखांश	77:12:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:12	स्थानिक संस्कार	-00:21:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:06:04	सूर्योदय	07:05:46
18:04:55	सूर्यास्त	18:05:16
23:52:56	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:29
वृश्चिक	लग्न	तुला
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
धनु	राशि	वृष
गुरु	राशि-स्वामी	शुक्र
मूल	नक्षत्र	मृगशिरा
केतु	नक्षत्र स्वामी	मंगल
2	चरण	2
हर्षण	योग	वैधृति
बालव	करण	वणिज
यो-योगेश	जन्म नामाक्षर	वो-वोहिनी
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	चतुष्पाद
श्वान	योनि	सर्प
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	मृग
23	गत/तत्कालिक वर्ष	24

जन्म - विवरण   वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
ज्येष्ठा	4	27:39:52	वृश्चिक			लग्न			तुला	25:18:49	2	विशाखा
धनिष्ठा	1	25:04:08	मक			सूर्य			मक	25:04:08	1	धनिष्ठा
मूल	2	05:29:32	धनु			चंद्र			वृष	26:55:14	2	मृगशिरा
रेवती	2	20:35:21	मीन			मंगल	व		मिथु	24:31:07	2	पुनर्वसु
उत्तराषाढ़ा	3	04:47:22	मक	व		बुध		अ	मक	23:47:59	1	धनिष्ठा
आर्द्रा	2	12:30:57	मिथु	व		गुरु			वृष	17:05:24	3	रोहिणी
धनिष्ठा	3	00:55:45	कुंभ		अ	शुक्र			मीन	08:15:15	2	उ०भाद्रपद
रोहिणी	2	14:08:57	वृष	व		शनि			कुंभ	23:58:15	2	पू०भाद्रपद
मृगशिरा	3	02:07:08	मिथु	व		राहु	व		मीन	03:54:54	1	उ०भाद्रपद
मूल	1	02:07:08	धनु	व		केतु	व		कन्या	03:54:54	3	उ०फाल्गुनी
धनिष्ठा	3	00:36:07	कुंभ			मु			तुला	27:39:52	3	विशाखा

व - वक्री   स - स्थिर

अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:29

लग्न-चलित

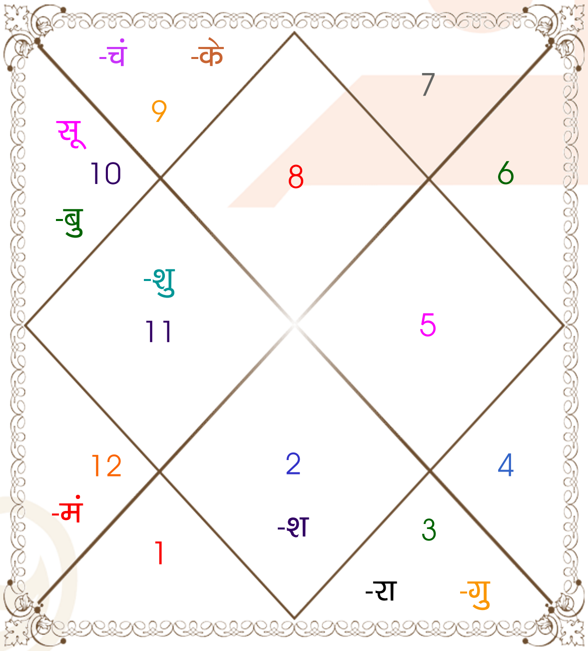

वर्ष लग्न कुंडली

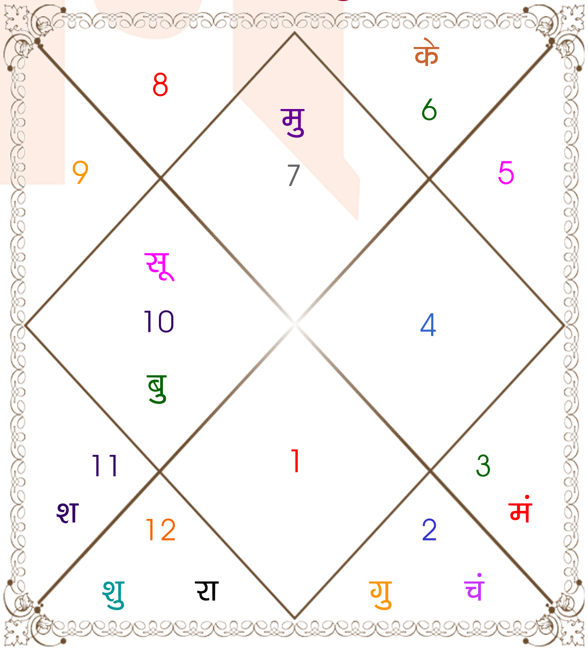

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - केतु - गुरु		शुक्र - केतु - शनि		शुक्र - केतु - बुध		सूर्य - सूर्य - सूर्य	
19/09/2025 01:32		14/11/2025 21:08		21/01/2026 08:24		22/03/2026 17:14	
14/11/2025 21:08		21/01/2026 08:24		22/03/2026 17:14		28/03/2026 04:43	
गुरु	26/09/2025 15:21	शनि	25/11/2025 13:31	बुध	29/01/2026 21:39	सूर्य	22/03/2026 23:48
शनि	05/10/2025 15:15	बुध	05/12/2025 02:55	केतु	02/02/2026 10:10	चंद्र	23/03/2026 10:46
बुध	13/10/2025 16:25	केतु	09/12/2025 01:22	शुक्र	12/02/2026 11:39	मंगल	23/03/2026 18:26
केतु	16/10/2025 23:58	शुक्र	20/12/2025 07:15	सूर्य	15/02/2026 12:05	राहु	24/03/2026 14:09
शुक्र	26/10/2025 11:14	सूर्य	23/12/2025 16:13	चंद्र	20/02/2026 12:49	गुरु	25/03/2026 07:41
सूर्य	29/10/2025 07:25	चंद्र	29/12/2025 07:09	मंगल	24/02/2026 01:20	शनि	26/03/2026 04:30
चंद्र	03/11/2025 01:03	मंगल	02/01/2026 05:37	राहु	05/03/2026 02:39	बुध	26/03/2026 23:08
मंगल	06/11/2025 08:35	राहु	12/01/2026 08:30	गुरु	13/03/2026 03:50	केतु	27/03/2026 06:48
राहु	14/11/2025 21:08	गुरु	21/01/2026 08:24	शनि	22/03/2026 17:14	शुक्र	28/03/2026 04:43

सूर्य - सूर्य - चंद्र		सूर्य - सूर्य - मंगल		सूर्य - सूर्य - राहु		सूर्य - सूर्य - गुरु	
28/03/2026 04:43		06/04/2026 07:52		12/04/2026 17:17		29/04/2026 03:45	
06/04/2026 07:52		12/04/2026 17:17		29/04/2026 03:45		13/05/2026 18:23	
चंद्र	28/03/2026 22:59	मंगल	06/04/2026 16:49	राहु	15/04/2026 04:27	गुरु	01/05/2026 02:30
मंगल	29/03/2026 11:46	राहु	07/04/2026 15:50	गुरु	17/04/2026 09:03	शनि	03/05/2026 10:01
राहु	30/03/2026 20:38	गुरु	08/04/2026 12:17	शनि	19/04/2026 23:30	बुध	05/05/2026 11:41
गुरु	01/04/2026 01:52	शनि	09/04/2026 12:34	बुध	22/04/2026 07:23	केतु	06/05/2026 08:09
शनि	02/04/2026 12:34	बुध	10/04/2026 10:18	केतु	23/04/2026 06:24	शुक्र	08/05/2026 18:35
बुध	03/04/2026 19:36	केतु	10/04/2026 19:15	शुक्र	26/04/2026 00:08	सूर्य	09/05/2026 12:07
केतु	04/04/2026 08:23	शुक्र	11/04/2026 20:49	सूर्य	26/04/2026 19:52	चंद्र	10/05/2026 17:20
शुक्र	05/04/2026 20:55	सूर्य	12/04/2026 04:30	चंद्र	28/04/2026 04:44	मंगल	11/05/2026 13:47
सूर्य	06/04/2026 07:52	चंद्र	12/04/2026 17:17	मंगल	29/04/2026 03:45	राहु	13/05/2026 18:23

सूर्य - सूर्य - शनि		सूर्य - सूर्य - बुध		सूर्य - सूर्य - केतु		सूर्य - सूर्य - शुक्र	
13/05/2026 18:23		31/05/2026 02:46		15/06/2026 15:20		22/06/2026 00:44	
31/05/2026 02:46		15/06/2026 15:20		22/06/2026 00:44		10/07/2026 07:02	
शनि	16/05/2026 12:19	बुध	02/06/2026 07:33	केतु	16/06/2026 00:16	शुक्र	25/06/2026 01:47
बुध	18/05/2026 23:18	केतु	03/06/2026 05:17	शुक्र	17/06/2026 01:51	सूर्य	25/06/2026 23:42
केतु	19/05/2026 23:35	शुक्र	05/06/2026 19:22	सूर्य	17/06/2026 09:31	चंद्र	27/06/2026 12:13
शुक्र	22/05/2026 20:59	सूर्य	06/06/2026 14:00	चंद्र	17/06/2026 22:18	मंगल	28/06/2026 13:47
सूर्य	23/05/2026 17:48	चंद्र	07/06/2026 21:03	मंगल	18/06/2026 07:15	राहु	01/07/2026 07:32
चंद्र	25/05/2026 04:30	मंगल	08/06/2026 18:47	राहु	19/06/2026 06:15	गुरु	03/07/2026 17:58
मंगल	26/05/2026 04:48	राहु	11/06/2026 02:40	गुरु	20/06/2026 02:43	शनि	06/07/2026 15:22
राहु	28/05/2026 19:15	गुरु	13/06/2026 04:20	शनि	21/06/2026 03:00	बुध	09/07/2026 05:28
गुरु	31/05/2026 02:46	शनि	15/06/2026 15:20	बुध	22/06/2026 00:44	केतु	10/07/2026 07:02

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।